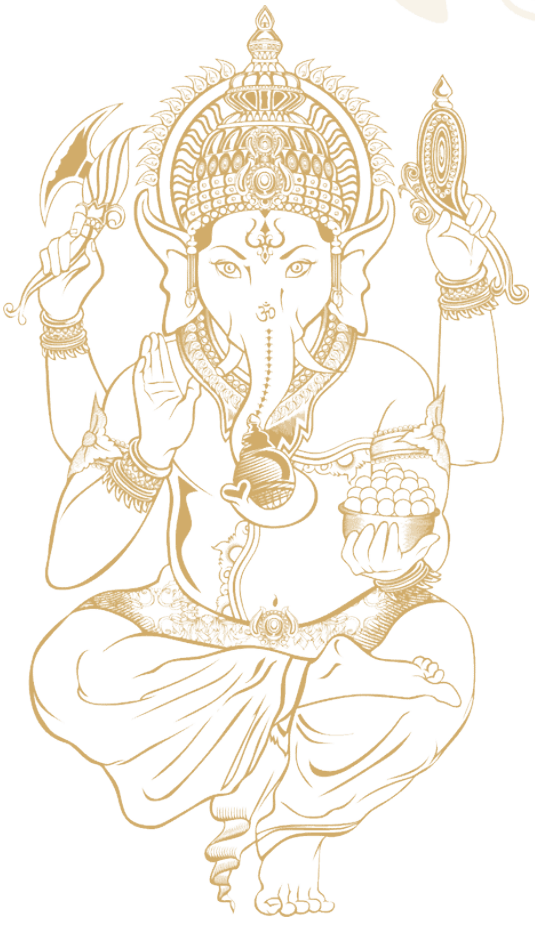

Mr.Amit

Ms Lucky

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120140810

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30-31/10/1997	जन्म तिथि	29/12/2000
गुरु-शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 01:40:00	जन्म समय	13:59:00 घंटे
घटी 47:43:31	जन्म समय(घटी)	16:58:11 घटी
India	देश	India
Mandsaur	स्थान	Pratapgarh
24:03:00 उत्तर	अक्षांश	24:02:00 उत्तर
75:10:00 पूर्व	रेखांश	74:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:20	स्थानिक संस्कार	-00:30:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:34:35	सूर्योदय	07:13:13
17:50:40	सूर्यास्त	17:53:00
23:49:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 17वर्ष 4मा 8दि	06:07:47	सिंह	लग्न	मेष	15:18:32	मंगल 6वर्ष 11मा 27दि
गुरु	13:36:53	तुला	सूर्य	धनु	14:04:08	राहु
10/03/2015	07:08:33	तुला	चंद्र	मक	23:21:01	27/12/2007
10/03/2031	29:09:50	वृश्चि	मंगल	तुला	09:31:13	26/12/2025
गुरु 28/04/2017	24:13:06	तुला	बुध	धनु	16:07:47	राहु 08/09/2010
शनि 09/11/2019	19:06:18	मक	गुरु व	वृष	08:32:47	गुरु 31/01/2013
बुध 14/02/2022	00:30:55	धनु	शुक्र	कुंभ	00:09:45	शनि 08/12/2015
केतु 21/01/2023	21:30:49	मीन व	शनि व	वृष	00:50:41	बुध 27/06/2018
शुक्र 21/09/2025	25:00:47	सिंह व	राहु	मिथु	21:36:58	केतु 15/07/2019
सूर्य 10/07/2026	25:00:47	कुंभ व	केतु	धनु	21:36:58	शुक्र 15/07/2022
चन्द्र 09/11/2027	11:01:32	मक	हर्ष	मक	24:39:25	सूर्य 09/06/2023
मंगल 15/10/2028	03:29:13	मक	नेप	मक	11:22:06	चन्द्र 08/12/2024
राहु 10/03/2031	10:34:47	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:48:25	मंगल 26/12/2025

लग्न-चलित

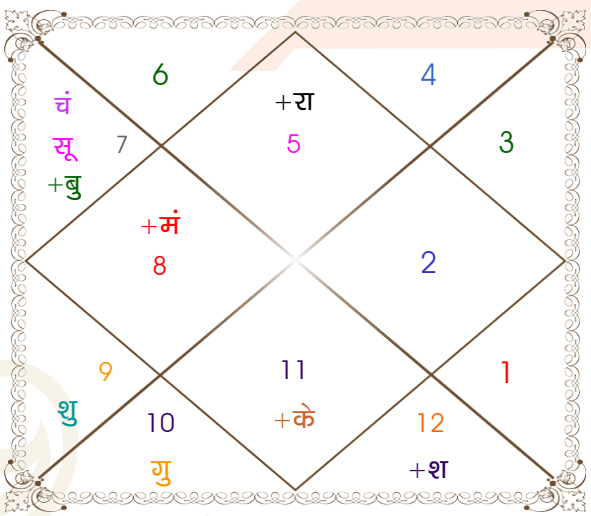

लग्न-चलित

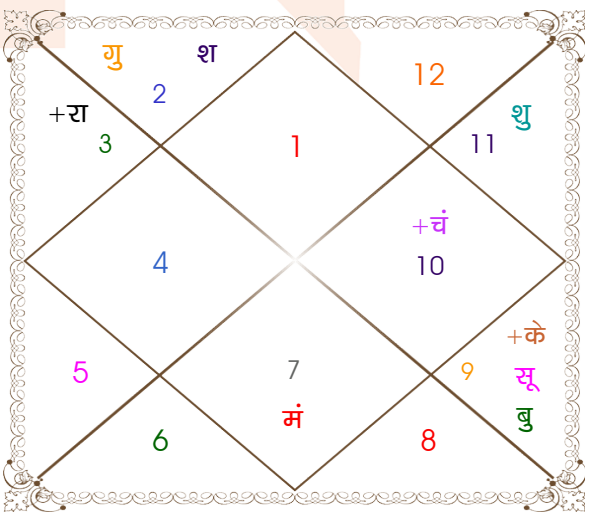

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण ।उपज का वर्ग मृग है तथा डे स्नबाल का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।उपज और डे स्नबाल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।उपज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल डतण ।उपज कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण ।उपज कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डे स्नबाल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डे स्नबाल कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्।उपज तथा डे स्नबाल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।